विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 19-04-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

पूर्वरूप संधि - एडः पदान्तादति, संस्कृत व्याकरण

पूर्वरूप संधि - एडः पदान्तादति, संस्कृत व्याकरण

पूर्वरूप संधि का सूत्र एडः पदान्तादति होता है। यह संधि स्वर संधि के भागो में से एक है। संस्कृत में स्वर संधियां आठ प्रकार की होती है। दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि, पूर्वरूप संधि, पररूप संधि, प्रकृति भाव संधि।

इस पृष्ठ पर हम पूर्वरूप संधि का अध्ययन करेंगे !

पूर्वरूप संधि के नियम

नियम - पदांत में अगर “ए” अथवा “ओ” हो और उसके परे ‘अकार’ हो तो उस अकार का लोप हो जाता है। लोप होने पर

अकार का जो चिन्ह रहता है उसे (ऽ) 'लुप्ताकार' या 'अवग्रह' कहते हैं।

पूर्वरूप् संधि के उदाहरन्

ए / ओ + अकार = ऽ -> कवे + अवेहि = कवेऽवेहि

ए / ओ + अकार = ऽ -> प्रभो + अनुग्रहण = प्रभोऽनुग्रहण

ए / ओ + अकार = ऽ -> लोको + अयम् = लोकोऽयम्

ए / ओ + अकार = ऽ -> हरे + अत्र = हरेऽत्र

यह संधि आयदि संधि का अपवाद भी होती है।